जयनारायण सर्वोदय विद्यालय समिति

–ः वार्षिक प्रतिवेदन 2020 ः–

पृष्ठ भूमि :– वर्ष 1967 में ग्राम करजगांव (बैतूल) में स्व. श्री गंगाधर पाटणकर व्दारा स्थापित सर्वोदय विद्यालय संस्था जो बुनियादी तालीम के साथ खादी, कृषि–गोपालन तथा समग्र सामाजिक सुधार के लिए प्रारंभ किया गया था आज यह संस्था बैतूल जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, दिव्यांगता, ग्रामीण विकास तथा अन्य मुद्दों पर सतत् कार्य कर रही है। संस्था वर्ष 2006 से समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के माध्यम से सभी तरह के दिव्यांगो के कल्याण तथा विकास के लिए कार्य कर रही है। प्रारंभ मे संस्था ने 411 दिव्यांगो के साथ कार्य प्रारंभ किया।

संस्था का मिशन है कि सभी लोगों को ऐसी शिक्षा मिलनी चाहिए जिससे उनकी कृषि तथा गौ आधारित आजीविका सुनिश्चित हो सके, स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं का सक्षम नेतृत्व तैयार हो, समाज में दिव्यांगो को हर क्षेत्र मे विकास के लिए बाधा रहित वातावरण तैयार हो तथा समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास हो कर वास्तविक ग्राम स्वराज्य की स्थापना हो सके।

संस्था का लक्ष्य है कि बैतूल जिले में मानसिक रुप से अविकसित दिव्यांगों को प्रशिक्षित करके विकास की मुख्य धारा में लाना।

संस्था व्दारा वर्ष 2019–2020 में मुख्य रुप से दिव्यांग पुनर्वास, समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम, वन ग्रामो में माइक्रोप्लानिंग तथा ई– गवर्नेंस का कार्य किया गया ।

उद्येश्य :– हमारे समाज के मानसिक रुप से अविकसित बच्चों की शीघ्र पहचान करके शीघ्र हस्तक्षेप व्दारा उचित परामर्श देना। संस्था व्दारा निम्नानुसार बौध्दिक दिव्यांगताओं को लक्षित किया गया है :–

- मानसिक रुप से मंद बच्चे (Intellectual Disability)
- स्वपरायणता से ग्रसित बच्चे (Autism)
- प्रमस्तिकघात से ग्रसित बच्चे (Cerebral Polcy)
- बहुविकलांगता से ग्रसित बच्चे (Multiple Disability)

निम्न तीन आयु वर्ग के बच्चों और बड़ों के लिए कार्य किया जाता है :–

- 0 से 10 वर्ष
- 10 से 18 वर्ष
- 18 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति महिला पुरुष

संस्था व्दारा निम्नानुसार दिव्यांगो को सेवाएं प्रदान की जा रही है :–

- विशेष शिक्षण – प्रशिक्षण प्री स्कूल – स्कूल
- व्यक्तिगत प्रशिक्षण
- व्यवहार चिकित्सा व्यवहार परामर्श प्रशिक्षण
- भौतिक एवम् व्यावसायिक चिकित्सा
- पूर्व व्यवसायिक एवम् व्यावसायिक प्रशिक्षण
- परामर्श कौशल विकास प्रशिक्षण एवम् मार्गदशन
- समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम
- मनो सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक सेवाएं
- पेंशन एवं अन्य शासकीय सेवाओं से लिंकेज
- छात्रावास एवं यातायात सेवाएं

संस्था उक्त गतिविधियो तथा विशेषज्ञता के साथ समाज के दिव्यांगो को ऐसे व्यक्ति के रुप में विकसित करना चाहती है कि वह अपने दैनिक जीवन के कार्यों के साथ साथ अपनी प्रतिभा को समाज के सामने प्रस्तुत कर सके तथा सम्मान जनक जीवन जी सके।

उपरोक्त उद्येश्यों की पूर्ती के लिए संस्था व्दारा निम्न गतिविधियां की गयी जिनका संख्यात्मक तथा गुणात्मक विवरण नीचे दिया जा रहा है।

वर्तमान में (वर्ष 2019–20) ग्राम करजगांव मे मानसिक दिव्यांगों (18 वर्ष से अधिक उम्र) के लिये पूर्णतः आवासीय **घरौंदा केन्द्र** का संचालन किया जा रहा है। उपरोक्त योजना के लिए नेशनल ट्रस्ट सामाजिक न्याय एवम् अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार से वित्तीय सहयोग प्राप्त हुवा, तथा जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र सामाजिक न्याय एवम् दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बैतूल व्दारा तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त हुवा।

टेबल – 1

क्रमांक	योजना का नाम	दर्ज संख्या / लाभान्वित हितग्राही
1	घरौंदा	20
	कुल योग	20

घरौंदा केन्द्र व्दारा आयोजित गतिविध्धियों का विवरण :–

टेबल – 2

क्रमांक	गतिविधि	सन्दर्भ	स्थान	माह / बैठक संख्या	उपस्थिति		परिणाम
					म.	पु.	
1	ऑटिज्म जागरुकता कार्यशाला	आटिज्म की जानकारी देना	घरौंदा केन्द्र पर	1 अपैल 20 19	22	13	35 प्रतिभागियो की ऑटिज्म पर समझ बन सकी साथ ही डाकुमेंन्ट्री फिल्म दिखाई गई एवं ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे के व्यवहार से पहिचान करने की समझ बन सकी।
2	पालक संवाद बैठके / परामर्श बैठक	पालको के साथ बैठकर घरौंदा केन्द्र की जानकारी देना	घरौंदा केन्द्र पर	12	120	110	20 पालको को नेशनल ट्रस्ट एवं जय नारायण द्वारा दी जाने वाली सुविधाओ की जानकारी प्राप्त हो सकी साथ ही प्रतिमाह अपने बच्चे की प्रगति पर चर्चा की आदत का विकास हो सका एवं बैठको मे पालको की उपस्थिति मे बढ़ोतरी हुई।
3	लोकल प्रोजेक्ट कमेटी मीटिंग (LPC)	घरौंदा केन्द्र में निवासरत बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा तथा प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग	घरौंदा केन्द्र पर	12	38	58	लोकल प्रोजेक्ट कमेटी की बैठकों मे नियमितरुप से घरौंदा केन्द्र में निवासरत बच्चों की सुरक्षा की समीक्षा की गयी तथा संस्था में निवासरत बच्चों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिये किये गये कार्य की समीक्षा की गयी। नेशनल ट्रस्ट व्दारा प्राप्त अनुदान की उपयोगिता की समीक्षा की गयी।
4	स्टाफ प्रशिक्षण एवं ओरिएंटेशन	स्टाफ का क्षमतावर्धन करना	घरौंदा केन्द्र पर	2	02	04	कार्य का संचालन सुचारू रूप से शुरू हो सका एवं 08 कार्यकर्ताओ की दिव्यांगता तथा विशेष शिक्षण प्रशिक्षण के बारे में समझ बन पाई।

5	नेशनल ट्रस्ट स्थापना दिवस	नेशनल ट्रस्ट के अन्तर्गत आने वाली दिव्यांगता जैसे बौध्दिक दिव्यांगता, स्वपरायणता, स्वलीनता तथा बहु विकलांगता ।	घरौंदा केन्द्र पर	30 दिसम्बर 2020	20	26	46 प्रतिभागियो को नेशनल ट्रस्ट द्वारा चार दिव्यागता पर 10 योजनाओ का संचालन किया जाता है बताया गया। तथा घरौंदा केन्द्र की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया।
6	निरामय योजना से जुड़ाव एवं हितग्राहियों को पंजीकृत करना	योजना का लाभ दिलवाना	घरौंदा केन्द्र पर	अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक	20	17	37 दिव्यांगजन बालक बालिकाओ को निरामय योजना से जोड़ा गया। 15 दिव्यांगजनो को योजना से (निरामय क्लेम) लाभ दिलवाया गया।
7	महिला दिवस	प्रतिभावान महिलाओ का सम्मान करना	घरौंदा केन्द्र पर	8 मार्च	36	06	8 मार्च को प्रतिभावान महिलाओ 26 पालक महिलाएं को जय नारायण द्वारा सम्मानित किया गया।
8	डाउनसिण्ड्रोम पर जागरुकता कार्यशाला	डाउनसिड्रोम पर जागरूकता	घरौंदा केन्द्र पर	21 मार्च 2020	25	14	39 प्रतिभागियो द्वारा कार्यक्रम मे भाग लेकर डाउन सिंड्रोम के बारे समझ बन पाई साथ ही बेहतर समझने हेतू डाक्यूमेन्ट्री फिल्म दिखाई गई।
9	पिकनिक / भ्रमण	हर तरह दर्शनीय स्थान, धार्मिक स्थान तथा शासकीय कार्यालय के कामकाज को देखने का अवसर प्रदान करना।		8 विजिट			घरौन्दा केन्द्र से बैतूल जिले के विभिन्न स्थानों तथा शासकीय कार्यालयों में शैक्षणिक भ्रमण।
10	लीगल गार्जियनशिप प्रमाण पत्र	दिव्यांगजनो की पुर्णकालिन जिम्मेदार पालक।					10 दिव्यागजनो के पालकों को कानूनी अभिभावक का प्रमाणपत्र दिए गये।

स्व सहायता समूहों का गठन तथा सुदृढ़ीकरण :— संस्था व्दारा विकाखण्ड बैतूल में इस वर्ष 15 नये स्व सहायता समूहों का गठन किया गया, इसी प्रकार पूर्व से गठित 55 समूहो का सुदृढ़ीकरण किया गया। संस्था का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्र में नये आजीविका के अवसरों की अपार संभावनायें है, और वे समूह का माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभ पंहुच सकता है। संस्था व्दारा 35 समूहों मे दिव्यांगो भी शामिल किया गया है। इस वर्ष 15 समूहों को अपना व्यवसाय प्रारंभ करने के लिये प्रशिक्षित किया गया, जिसमें से 06 समूहो व्दारा अपने व्यवसाय की स्थापना कर ली गयी है।

कौशल विकास प्रशिक्षण :— संस्था व्दारा इस वर्ष दिव्यांग शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उन्हे विभिन्न औद्योगिक तथा व्यापारिक संस्थानो मे रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। वर्ष 2019 — 20 में कुल 80 युवक युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमे से 55 को रोजगार के अवसर प्राप्त हुवे।

टेबल — 3

क्रमांक	ट्रेड	प्रशिक्षणार्थियो की संख्या	रोजगार प्राप्त करने वालो की संख्या
1	कम्प्यूटर ट्रेनिंग	25	10
2	जैविक खाद	320	300
3	सिलाई — बुनाई	15	09
	कुल योग	360	319

नशा मुक्ति कार्यक्रम :— संस्था व्दारा बैतूल जिले मे विभिन्न अवसरों पर नशा मुक्ति कार्यक्रमो का आयोजन किया जाता है, नशे से होने वाले दुष्परिणामों से लोगों को अवगत कराया जाता है। माह अक्टूबर मे मद्य निषेधसप्ताह के अन्तर्गत 35 ग्रामो मे रैली का आयोजन कर लोगों को जागरुक किया गया तथा 32 स्कूलों मे निबन्ध प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

ई— गवर्नेंस (लोक सेवा केन्द्र) :— संस्था व्दारा बैतूल जिला मुख्यालय पर जिला ई गवर्नेंस सोसायटी के सहयोग से लोक सेवा केन्द्र का संचालन वर्ष 2012 से निरंतर किया जा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार की इस लोकप्रिय योजना मे लोक सेवा ग्यांरटी अधिनियम के अन्तर्गत निर्धारित समय सीमा मे आवेदकों को सवाएं प्राप्त होतीं है। इस वर्ष अन्त तक 476090लोगों को लोक सेवा ग्यांरटी अधिनियम के अन्तर्गत समय सीमा में सेवाएं दी जा चुकी हैं।

व्यक्तिगत् स्वच्छता कार्यक्रम :– यह माना गया है कि किसी भी आदत को अपनाने में 22 से 25 दिनों का समय लगता है इसी कंसेप्ट को ध्यान मे रखते हुए संस्था व्दारा नमन सेवा समिति तथा हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड के सहयोग से बैतूल विकासखण्ड में 75 स्कूलों में बच्चों के साथ व्यवहार परिवर्तन व्दारा हाथ धुलाई की आदतों बदलाव के लिये कार्यक्रम (Hand Wash Behavior Change Programe) किया गया, उक्त कार्यक्रम के व्दारा दोनों विकासखण्डों के 20500 बच्चों के साथ प्रत्यक्ष प्रदर्शन तथा फॉलोअप गतिविधियों व्दारा हाथ धुलाई की आदतों बदलाव के लिये प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य उपलब्धियां निम्न सारणी में दर्शित की गया है :–

टेबल – 4

क्रमांक	गतिविधि का नाम	प्रतिभागी / लाभान्वित
1	सामुदायिक बैठक 75 गांव	1420
2	स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे	20500
3	स्कूल शिक्षक	52
4	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता /साहायिका	76
5	ग्रामीण / शहरी महिलाएं	132

उप संहार :– संस्था द्वारा वर्ष 2019 – 20 मे दिव्यांग पुनर्वास, स्व सहायता समूहों का गठन, के निर्धारित लक्ष्य सफलता पूर्वक प्राप्त किये एवम् ग्रामीण विकास के लिए कृत संकल्पित संस्था ने अपने प्रयासों में सफलता अर्जित की । सस्ंथा अपनी इस उपलब्धी में सभी संस्था के पदाधिकारियों , कायकर्ताओं एंव शासन, प्रशासन के अधिकारी जिनके मार्गदर्शन में यह कार्य किया उनका आभार व्यक्त करती है । तथा वे सभी जिनका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग मिला संस्था उन सबका धन्यवाद तथा आभार व्यक्त करती है ।

जय जगत्

अवनीश पाटणकर
सचिव

JAINARAYAN “GHAROUNDA CENTER “ ACTIVITY & PROGRAMES

JAINARAYAN “GHAROUNDA CENTER “ ACTIVITY & PROGRAMES